राजा हिरदेशाह

राजा हिरदेशाह लोधी मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड के हीरापुर के राजा थे। इन्होंने 1842 में अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह किया।

राजा हिरदेशाह बुंदेलखंड विद्रोह-1842 के प्रमुख नायक थे। यद्यपि यह विद्रोह अंग्रेजों द्वारा दबा दिया गया था, लेकिन 1857 के समर में हिरदेशाह ने पुन: बलिदानी भूमिका निभाई थी, जिसमें इनका पूरा परिवार शहीद हो गया था। अंग्रेजों के विरुद्ध 1842 के विद्रोह एवं 1857 के समर में राजा हिरदेशाह का साथ उनकी बिरादरी के अन्य लोधी राजाओं, तालुकेदारों, जागीरदारों व प्रजाजनों तथा गोंड़ राजाओं और उनकी प्रजा ने दिया था।

ब्रिटिश दस्तावेज राजा हिरदेशाह को 1842 के विद्रोह एवं 1857 के ग़दर का प्रमुख दोषी मानते हैं, लेकिन पूर्वाग्रही भारतीय लेखक और इतिहासकारों ने उनके त्याग और बलिदानों को जानबूझकर नज़रंदाज़ कर दिया।